STD 10 HINDI - EPISODE : 31 DATE : 19-11-21

पाठ का नाम: दिशाहीन दिशा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) लेखक सबसे पहले कहाँ जाने का निश्चय कर लेता है ?

उत्तर: मुंबई |

2) लेखक कैसे भोपाल ताल में पहुँच गये ?

उत्तर: लेखक मोहन राकेश बंबई जाने के लिए रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन पर लेखक का मित्र अविनाश उनसे मिलने आया था। वहाँ आकर अविनाश ने लेखक का बिस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया और उनका सूटकेस लेकर बाहर निकल गया। अपने आत्ममित्र अविनाश के साथ लेखक भी गाड़ी से उतरे और रात ग्यारह बजने पर वे भोपाल ताल पहुँचे।

3) ' तरन्नुम के साथ अर्ज करना ' से क्या मतलब है ?

उत्तर: तरन्नुम के साथ अर्ज करना का मतलब है लय के साथ पेश करना अथवा लय के साथ आलाप करना ।

4) " मगर आप चाहे तो चंद गज़लें, तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ।" इस कथन से आम जनता के साथ गज़लों के रिश्ते का क्या परिचय मिलता है ?

उत्तर: यहाँ से स्पष्ट है कि बूढे मल्लाह का गज़लों के साथ बड़ी लगन है। बड़ा आकर्षण है। इसके द्वारा आम जनता का गज़लों के साथ कितना रिश्ता है, यह समझ में आ जाता है | अर्थात् गज़लों के साथ आम लोगों की जनप्रियता यहाँ स्पष्ट है ।

5) मल्लाह का प्रस्ताव क्या था ?

उत्तर: " आप चाहे तो चंद गज़ले तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ " ।

6) उसके खामोश हो जाने पर सारा वातावरण ही बदल गया इससे आपने क्या

समझा ?

उत्तर: लेखक गजलों में लीन हो गए थे। इसलिए उन्हें रात, सर्दी, नाव का हिलना, झील का विस्तार आदि पर थोड़े समय के लिए ध्यान नहीं था। इसलिए जब गज़ल रूक गई तो उन्हें लगने लगा कि सारा वातावरण ही बदल गया है।

7) भोपाल ताल की सैर के बारे में मोहन राकेश अपने एक मित्र को पत्र लिखते हैं। वह पत्र कल्पना करके लिखे।

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र,

आप कैसे हैं ? सकुशल तो है न ? इधर मैं भोपाल में हूँ। मैं एक लंबी यात्रा के लिए निकल पड़ा था। अविनाश मुझे यहाँ ले आया। हम लोग रात को भोपाल ताल में सैर के लिए निकल पड़े। सबसे बड़ी बात यह है कि हमें बूढ़े मल्लाह अब्दुल जब्बार से गज़लें सुनने का अवसर मिल गया ।

आपका ,

(हस्ताक्षर)

मोहन राकेश

8) बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार के चरित्र पर टिप्पणी लिखें |

उत्तर: बूढा मल्लाह अब्दुल जब्बार एक गरीब, पर परिश्रमी व्यक्ति है। वह रात में, सर्दी में अपना काम करता रहता है। वह कम कपड़ों में जीता है, पर प्रसन्नचित्त हैं । वह अच्छी तरह गज़ल गाता है; दूसरों को प्रसन्न करता है ।

नवीन शब्दार्थ

मल्लाह - नाविक, വള്ളക്കാരൻ

चंद गज़लें - कुछ गज़लें

अर्ज करना - पेश करना, അവതരിപ്പിക്കുക

तरन्नुम - स्वरमाधुर्य

चुस्त गजलें - बढ़िया गज़लें

आम जनता - साधारण जनता

रिश्ता - ബന്ധം

छेड़ना - ആരംഭിക്കുക

गला - തൊണ്ട , കഴുത്ത് , സ്വരം

अंदाज़ - ढंग

हावभाव — രീതി

शायराना - कवि के समान

चप्पू - पतवार, തുഴ

झूमना —ആടുക

सर्दी - തണുപ്പ്

तहमद - ലുങ്കി

फौलाद - ഉരുക്ക്

सिमटना - ചുരുങ്ങുക

चादर — പുതപ്പ് , വിരിപ്പ്

झट - जल्दी, പെട്ടെന്ന്

एतराज - വിരോധം, എതിർപ്പ്

****